Kiara
Let's Make Life Happy

Kiara Astrology Research Centre ®

ॐ गंग गणपतये नमः

(Prime Report)

Call: 08674827268

Kiara ID: 80011437 | Date: 29/04/2020 | Validity : 1 Month Only

नाम: Dilip Kumar	जन्म तिथि: 09/06/1983	जन्म समय: 8:00 AM
जन्म स्थान: Gaya (Bihar)	मांगलिक योग: NO	इष्ट देव: Hanuman Ji
लग्न: Kark Lagna	राशि: Mesh	नक्षत्र: भरणी – 4

1. योग कारक (अच्छा) / मारक (शत्रु) ग्रह: (ग्रहों की स्थित के अनुसार) :

इन सभी ग्रहों के रत्न धारण करना, पूजा पाठ करना उत्तम होगा, लेकिन इन ग्रहों से सम्बंधित वस्तुयें का दान नहीं किया जाता है।

S.No	योग कारक (अच्छा) ग्रह	शुभ फल देने की क्षमता	मारक (शत्रु) ग्रह	अशुभ फल देने की क्षमता
1.	Chandra	10%	Budh	10%
2.	Mangal (अस्त)	25%	Shani (उच्च)(व)	50%
3.	Guru (व)	70%	Surya	25%
4.	Shukra	50%	Rahu (व)	40%
5.			Ketu (व)	40%
6.				

इन सभी ग्रहों को पूजा पाठ एवं दान करके शांत करना है। इनके रत्न वर्जित हैं।

2. राजयोग (अच्छा योग): अच्छा योग :- चन्द्र का मोती तथा मंगल का मूँगा अवश्य धारण करें तभी Career growth काफी अच्छी होगी। चन्द्र तथा मंगल देव का बल कम होने के कारण 10% ही फल दे पाएंगे। ∴ रत्न धारण करें।

3. कुण्डली दोष: चन्द्र ग्रहण योग : मन अशान्त रहेगा, माता की health में परेशानी हो सकती है। मोती धारण करें!

4. शुभ दिन: Monday, Tuesday, Thursday, Friday. etc.

5. शुभ रंग: सफेद, लाल, पीला | अशुभ: (हरा, काला, नीला)

6. रत्न (Gemstones) धारण कर सकते हैं (Life Time):

Gemstones (रत्न)	Ratti	Hand	Finger	Details
1. मोती	10	Right	Little	चाँदी में सोमवार को 8:15 AM पहने। (शुक्लपक्ष में)
2. मूँगा	9+	Right	Ring	सोने, पीतल, ब्रॉन्ज में मंगलवार को 8:15 AM धारण करें। (शुक्लपक्ष)
3. पुखराज (yellow)	7	Right	Index	सोने, पीतल में बृहस्पतिवार को धारण करें। (8:15 AM) (शुक्लपक्ष में)

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729, 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

7. वर्जित रत्न (भूल कर भी धारण ना करें):

पन्ना, नीलम, माणिक, गोमेद, लहसुनिया आदि रत्न वर्जित है।

* **नोट :** रत्न पहनने का अर्थ यह है की जिस ग्रह का रत्न धारण किया जाता है उस ग्रह की किरणों का शरीर में बढ़ाना। रत्न हमेशा योग कारक और सम ग्रह का पहना जाता है जब वो अच्छे फल देने में सक्षम न हो।

पुत्र तथा पुत्री प्राप्ति के योग है। परिवार complete हो जाएगा।

a) चंद्रदेव (मोती), मंगलदेव (मूंगा) और बृहस्पति देव (पीला पुखराज) का रत्न सदा शुक्ल पक्ष में धारण करना चाहिए। तभी यह लाभ प्रद होता है। (समय 8:15 AM)

b) सूर्य देव (माणिक), बुध देव (पन्ना), शुक्र देव (आपल, हीरा, सफ़ेद पुखराज), शनि देव (नीलम) का रत्न किसी भी पक्ष में धारण कर सकते हैं। (समय 8:15 AM)

c) सही गड़ना के मुताबिक **पांच कैरट या एक ग्राम से कम** वजन का रत्न नहीं धारण करना चाहिए।

d) **पुरुषों** को सदैव दाएं हाथ में रत्न पहना है। **स्त्रियों** को सदैव बाएं हाथ में रत्न पहनना चाहिए। अगर किसी जातक को नाग धारण हो जैसे (माणिक, मूंगा), (नीलम, हीरा) तोह लग्न का रत्न उस जातक को पहले सही हाथ में धारण करवाया जाता है। दूसरा रत्न दूसरे हाथ में पहनाया जाता है।

8. रोग भाव का स्वामी: (मित्र/शत्रु) : गुरु (बृहस्पति देव) : पुखराज धारण करने से शरीर में रोग कम होंगे। सदैव रोगों को कम करने में मदद मिलेगी।

9. रोग – विश्लेषण: (रोगों के कारक ग्रह)

आधुनिक समय के भाग - दौड़ एवं वयस्तता भरे जीवन मे प्रत्येक मनुष्य अपनी आकांछाओं और धन - प्राप्ति के पीछे ऐसा वयस्त है कि वह पूर्णतः अपने खान - पान, रहन-सहन और जीवन शैली पर सही ध्यान नहीं दे पता। इसलिए हर मनुष्य अपने स्वास्थय - सम्बन्धी छोटी-छोटी परेशनियों से भी साथ - साथ संघर्ष करता रहता है। Kiara Astrology के माध्यम से हम यह प्रयास करने की कोशिश कर रहे है कि आप ज्योतिष-विद्या के माध्यम से साधारण उपायों द्वारा अपने रोग - सम्बन्धी समस्यायो को कम कर पायँ एवं स्वयं के जीवन को जीने लायक बना सकें।

जन्म कुंडली मे छठा (6th) भाव रोग भाव होता है और छठे भाव का स्वामी रोगेष कहलाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक लग्न कुंडली मे रोग -भाव तथा रोगेष का विश्लेषण करने का तरीका बदल जाता है।

सूर्य देव	:	हड्डिओं के रोग , हृदय रोग , आँखों सम्बन्धी रोग।
चन्द्रमा देव	:	मानसिक रोग, आँखों के रोग, शरीर व पेट के जल सम्बन्धी रोग, निमोनिया , फेफड़ो के रोग
मंगल देव रोग	:	खून से सम्बंधित रोग, ब्लड प्रेसर, शुगर, थायरॉइड, कॉलिस्ट्रोल, शारीरिक शक्ति, माँसपेशिओ के
बुध देव	:	त्वचा से सम्बंधित रोग, यादाश्त सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, तुतलाना, हकलाना, व कंठ के रोग।

Scanned with CamScanner

बृहस्पति देव : लीवर, चर्बी, किडनी, मोटापा सम्बन्धी रोग।
शुक्र देव : गुप्तांग सम्बन्धी रोग, नपुंसकता।
शनि देव : शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द, लम्बी बीमारी।
राहु देव : सभी तरह की संक्रामकता, कुष्ठ रोग, अपगता, पागलपन, वहम।
केतु देव : रीढ़ की हड्डी, हड्डिओं के बीच में तरलता, कैंसर, बबासीर, फोड़े- फुन्सी, दाँत सम्बन्धी रोग।

10. रोग कम करने के लिए दान : शनिदेव, राहु, केतुदेव के दान नियमित रूप से करने से निरोगी रहने में मदद मिलेगी।

Comments:

कुण्डली के योग अच्छे हैं। अच्छा फल मिलेगा गुरु की दशा में।

चन्द्र तथा मंगल ग्रह से five rays आपके शरीर पर 10% ही पड़ती है इसलिए Career growth काफी slow होगी तथा कुण्डली कमजोर हो रही है। मन अशान्त रहेगा।

मोती तथा मूँगा धारण करने से धन लाभ में वृद्धि होगी, Career growth होगी। (Upto 100% depending upon quality of stones)

राहु तथा केतु के कारण Career growth में परेशानी होगी तथा सर्दी, खाँसी जैसी परेशानी जल्द होना आदि लगा रहेगा। माता को भी परेशानी देंगे। खर्चा ज्यादा बढ़ेगा। इसलिए राहु तथा केतु के दान व उपाय इनकी दशा में अवश्य करें।

मूल समस्या : शनिदेव :- शनिदेव का पाठपूजन व दान सूचिका के बाद हर शनिवार तथा अमावस्या के दिन करने की आदत डालें। 80% समस्याएँ समाप्त होंगी। पीपल को जल दें।

सभी उपाय आगे report से follow करें।

11. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

(☹) राहु की महादशा :- 01/11/2006 to 01/11/2024 : खराब दशा (40%)

सुख सुविधा में कमी रहेगी, माता को छोटी मोटी health समस्या हो सकती है। खर्चा बढ़ेगा, obstacles in each work, मानसिक तनाव की स्थिति भी रहेगी। छोटे मोटे रोग हो सकते हैं।

↳ राहु के दान व उपाय अवश्य करें। (हर शनिवार तथा अमावस्या के दिन सूर्यास्त के बाद)

राहु | शुक्र : 22/05/2018 to 21/05/2022 : (सामान्य दशा) + NO major problems.

↳ धन अर्जित होता रहेगा, वाहन खरीदने के योग बन सकते हैं। सुख सुविधाओं में समस्याएं समाप्त होंगी। पत्नी की care करेंगे। पत्नी के साथ सम्बन्ध अच्छे रहेंगे।

↳ राहु का दान करना है।

राहु | शुक्र | शनि : 24/04/2020 to 14/10/2020 – खराब समय (80%)

↳ माता तथा पत्नी की health में गिरावट आ सकती है। स्थान परिवर्तन हो सकता है – (5%), health समस्या होगी। Body Pain आदि। शरीर के किसी हिस्से में दर्द होना, work में समस्या होगी, मानसिक तनाव की स्थिति बनेगी। obstacles, परेशानी आदि।

↳ राहु तथा शनि देव का पाठ पूजन व दान करें (Saturday को)

15/10/20 to 18/3/21 → राहु तथा बुध के उपाय करना है (खराब समय रहेगा)

Scanned with CamScanner

कुंडली में स्थित मारक (शत्रु) ग्रह के उपाय & दान :

ग्रह	उपाय & दान
सूर्य देव के उपाय: **(रविवार को करना है)**	सूर्य देव को जल देना, तांबे का सिक्का जल प्रवाह करना, शक्कर चींटियों को डालना, ब्रह्म देव की उपासना करना, माणिक जल प्रवाह करना। **नोट:- पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** **सूर्य देव के मंत्र का जाप करें। (ॐ सूर्याय नमः)**
बुद्ध देव के उपाय: **(बुधवार को करना है)**	हरा चारा गाय को डालना, खीरा दान करना, पुदीना दान करना, पन्ना जल प्रवाह करना, बाज़रा पंछियों को डालना, साबुत मूंगी का दान करना, हरी वस्तु (वस्त्र, चूड़ियाँ इत्यादि), तुलसी का दान और सेवा, किन्नरों को कुछ भी खाने को देना। **नोट:- छोटी कन्या, मौसी, बुआ, बहन, भाभी, ताई, चाची, मामी से मधुर संबंध रखने से बुध देव प्रसन्न होते हैं।** बुद्ध देव के मंत्र का जाप करें **(ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः ॥ (or) ॐ गंग गणपतये नमः)**
शनि देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	काले तिल दान करना/ चीटियों को डालना, सरसों के तेल का दाल करना, काली जुरावें दान करना, पीपल के वृक्ष को जल देना, पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों का दीपक जलाना, काला वस्त्र का दान करना, लोहे की वस्तुओं का दान करना (चिंता, तवा), नीली जल प्रवाह करना, शनि चालीसा का दान करना, कोयला दान करना/ जल प्रवाह करना, जूता, चप्पल दान करना। **नोट:- निम्न स्तर का कर्मचारी (मजदूर, नौकर, कामवाली, भिखारी) के साथ सही व्यवहार रखने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।** शनिवार को शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes शनि देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ शं शनैश्चराय नमः)**
राहु देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	चाय की पत्ती, अगरबत्ती दान करना, सिक्का दान करना, बिजली की तार जल प्रवाह करना, गोमेद जल प्रवाह करना, सतनाजा चीटियों को डालना, काला सफ़ेद कम्बल दान करना, विकलांगो की सहायता करना, कुस्थश्रम में दान करना, नेत्रहीनों की सेवा करना। शनिवार को चाय की पत्ती (100gm), १ अगरबत्ती का पैकेट शनि देव के मंदिर के बाहर गरीबों को दान करें और देते समय राहु मंत्र "ॐ रां राहवे नमः" का जप करें। **नोट:- किसी भी प्रकार से शारीरिक असमर्थ लोगों का ख्याल रखने से राहु देव प्रसन्न होते हैं।** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes राहु देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ रां राहवे नमः)**
केतु देव के उपाय: **(मंगल, बुधवार को करना है)**	काला सफ़ेद कपड़ा दान करना, निम्बू दान करना, अमचूर दान करना, आंवले का अचार दान करना, चाकू दान करना, कुत्ते की सेवा करना, कुत्ते को कपड़ा पहनना। **नोट:- नानका परिवार से मधुर संबंध रखने से केतुदेव प्रसन्न होते हैं.** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes केतु देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊं कें केतवे नमः)**

नोट: अमावश्या के दिन किसी भी समय (दिन/रात) चाय की पत्ती, अगरबत्ती का दान (राहु के लिए) तथा सरसों का तेल (शनि देव के लिए) का दान अवश्य करें।

नोट: यदि परिवार में कलह - कलेश हो रहा हो और स्थित बिगड़ने वाली हो तो उस वक्त कोई भी परिवार का सदस्य मन ही मन २० मिनट तक नीचे दिए गये मंत्र का जाप अवश्य करें। संकटमोचन हनुमान जी आपकी अवश्य मदद करेंगे और स्थित सामान्य होने लगेगी। (हनुमान जी का पाठ पूजन महिलाएं भी कर सकती हैं। क्यूंकि हनुमान जी ने अपनी छाती चीर कर दिखा दी थी कि उनके हृदय में प्रभु राम और सीता माता दोनों एक साथ रहते हैं6।)

मंत्र : संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को, जो तुमसे नहिं जात है टारो॥

ऊँ गं गणपतये नम

शुभ 卐 लाभ

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 80011437 Date: 29/04/2020

Dilip Kumar

09 Jun 1983 08:00 AM

Gaya

Dilip Kumar

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 80011437 Date: 29/04/2020

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **09/06/1983**
दिन	: गुरुवार
जन्म समय	: **08:00:00 ांटे**
इष्ट	: 07:29:24 घटी
स्थान	: **Gaya**
राज्य	: Bihar
देश	: India

अक्षांश	: 24:48:00 उत्तर
रेखांश	: 85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: 00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 08:10:00 घंटे
वेलान्तर	: 00:00:58 घंटे
साम्पातिक काल	: 01:17:37 घंटे
सूर्योदय	: 05:00:14 घंटे
सूर्यास्त	: 18:38:05 घंटे
दिनमान	: 13:37:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: ग्रीष्म
सूर्य के अंश	: 24:05:37 वृष
लग्न के अंश	: 03:45:42 कर्क

चैत्रादि संवत / शक	: 2040 / 1905
मास	: ज्येष्ठ
पक्ष	: कृष्ण
सूर्योदय कालीन तिथि	: 13
तिथि समाप्ति काल	: 14:50:34
जन्म तिथि	: 13
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	: भरणी
नक्षत्र समाप्ति काल	: 08:27:39 घंटे
जन्म नक्षत्र	: भरणी
सूर्योदय कालीन योग	: अतिगण्ड
योग समाप्ति काल	: 07:11:56 घंटे
जन्म योग	: सुकर्मा
सूर्योदय कालीन करण	: वणिज
करण समाप्ति काल	: 14:50:34 घंटे
जन्म करण	: वणिज
भयात	: 57:21:31
भभोग	: 58:30:37
भोग्य दशा काल	: शुक्र 0 वर्ष 4 मा 24 दि

अवकहड I चक्र	
लग्न–लग्नाधिपति	: कर्क – चन्द्र
राशि–स्वामी	: **मेष – मंगल**
नक्षत्र–चरण	: **भरणी – 4**
नक्षत्र स्वामी	: शुक्र
योग	: सुकर्मा
करण	: वणिज
गण	: मनुष्य
योनि	: गज
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: क्षत्रिय
वश्य	: चतुष्पाद
वर्ग	: मृग
युँजा	: पूर्व
हंसक	: अग्नि
जन्म नामाक्षर	: लो–लोकेश
पाया(राशि–नक्षत्र)	: ताम्र – स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मिथुन

ात चक्र	
मास	: कार्तिक
तिथि	: 1-6-11
दिन	: रविवार
नक्षत्र	: मघा
योग	: विष्कुम्भ
करण	: बव
प्रहर	: 1
वर्ग	: सिंह
लग्न	: मेष
सूर्य	: कर्क
चन्द्र	: मेष
मंगल	: सिंह
बुध	: वृष
गुरु	: कन्या
शुक्र	: तुला
शनि	: मिथुन
राहु	: वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	03:45:42	313:01:59	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	———
सूर्य			वृष	24:05:37	00:57:24	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	26:24:02	13:51:21	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	सम राशि
मंगल		अ	वृष	22:36:08	00:41:25	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	सम राशि
बुध			वृष	00:23:49	00:59:46	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	मित्र राशि
गुरु	व		वृश्चि	10:54:46	00:07:17	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	09:15:56	01:00:15	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
शनि	व		तुला	04:30:25	00:02:08	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	उच्च राशि
राहु	व		मिथु	01:28:44	00:00:57	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	उच्च राशि
केतु	व		धनु	01:28:44	00:00:57	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	उच्च राशि
हर्ष	व		वृश्चि	13:02:03	00:02:26	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	राहु	———
नेप	व		धनु	04:31:16	00:01:35	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	———
प्लूटो	व		तुला	03:18:33	00:00:54	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	———
दशम भाव			मीन	27:22:36	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	गुरु	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:37:14

लग्न–चलित

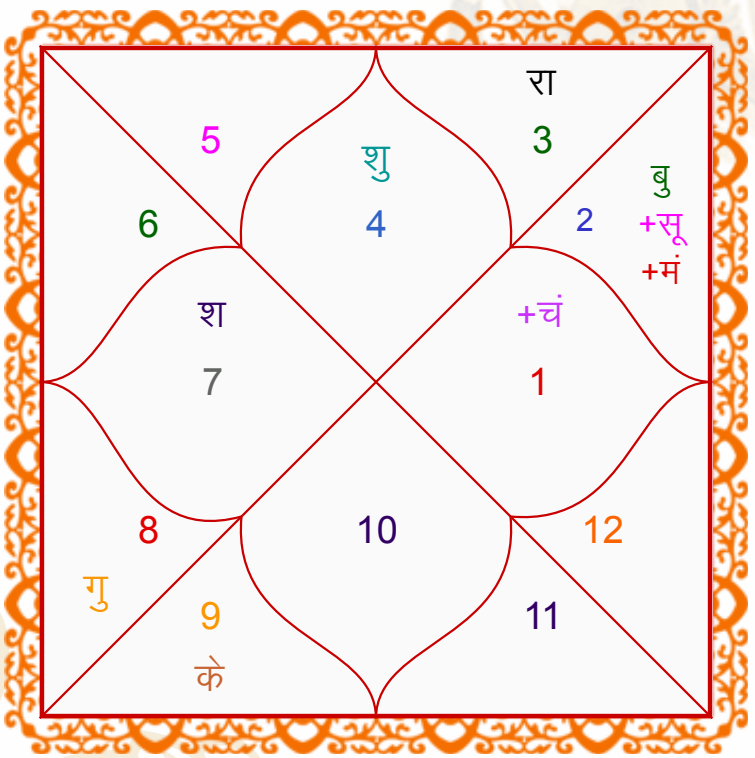

चन्द्र कुंडली

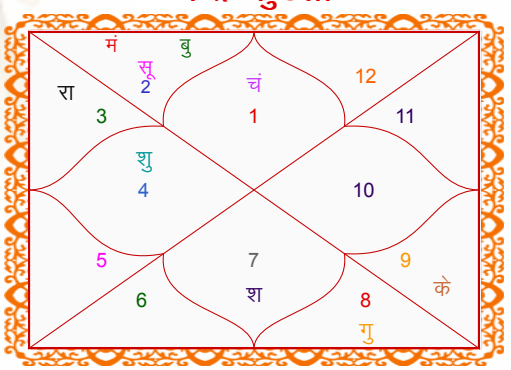

नवमांश कुंडली

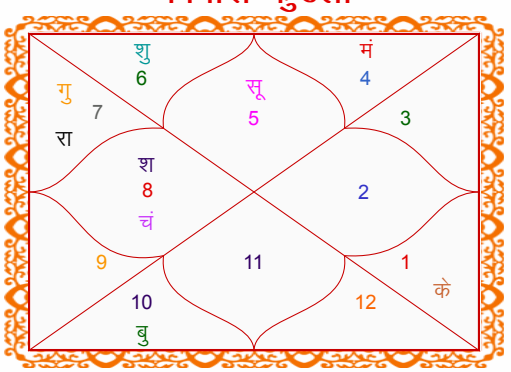

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	45	58	22	15	18	26	55
सप्तवर्गज बल	81	98	86	105	86	101	54
ओजयुग्मक बल	15	15	0	0	15	30	15
केन्द्र बल	30	60	30	30	30	60	60
द्रेष्काण बल	0	15	0	0	0	0	0
कुल स्थान बल	171	245	138	150	149	217	184
कुल दिग्बल	41	10	42	39	18	34	30
नतोन्नत बल	41	19	19	60	41	41	19
पक्ष बल	51	102	51	51	9	9	51
त्रिभाग बल	0	0	0	60	60	0	0
अब्द बल	0	15	0	0	0	0	0
मास बल	0	0	30	0	0	0	0
वार बल	0	0	0	0	45	0	0
होरा बल	60	0	0	0	0	0	0
अयन बल	119	7	59	54	3	55	44
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	270	143	159	225	158	105	114
कुल चेष्टाबल	0	0	3	26	57	37	43
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	5	-3	5	-1	-38	-24	-5
कुल षट्बल	547	446	363	465	378	413	375
रूप षट्बल	9.1	7.4	6.0	7.8	6.3	6.9	6.2
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.8	1.2	1.2	1.1	1.0	1.3	1.2
संबंधित पद	1	4	5	6	7	2	3

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	50.32	23.10	7.46	20.00	32.10	30.93	48.60
कष्ट फल	7.76	10.57	46.84	38.81	10.96	28.05	9.35

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	446	547	547	465	413	378	375	375	375	378	363	465
भावदिग्बल	30	20	10	30	20	10	30	10	20	0	50	50
भावदृष्टि बल	40	60	7	-2	46	4	-1	38	38	37	27	42
कुल भाव बल	516	627	564	493	479	393	404	423	432	416	439	557
रूप भाव बल	8.6	10.5	9.4	8.2	8.0	6.5	6.7	7.1	7.2	6.9	7.3	9.3
संबंधित पद	4	1	2	5	6	12	11	9	8	10	7	3

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

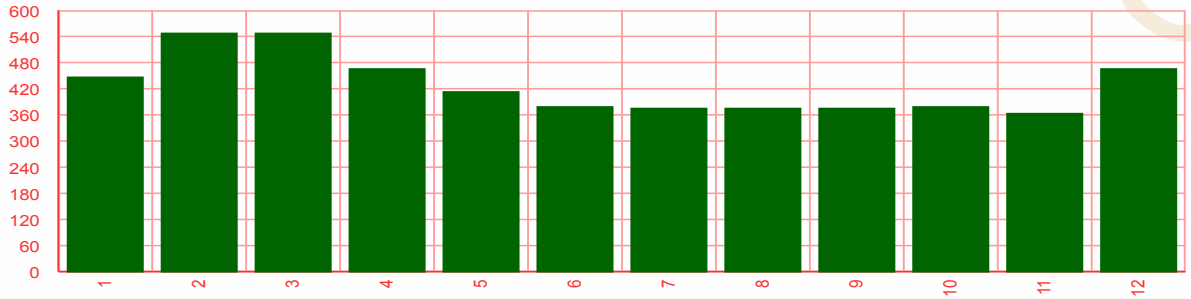

भावदिग्बल

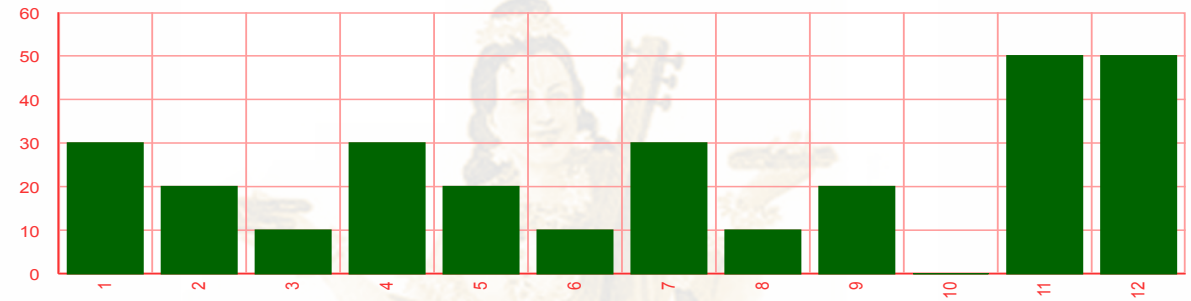

भावदृष्टि बल

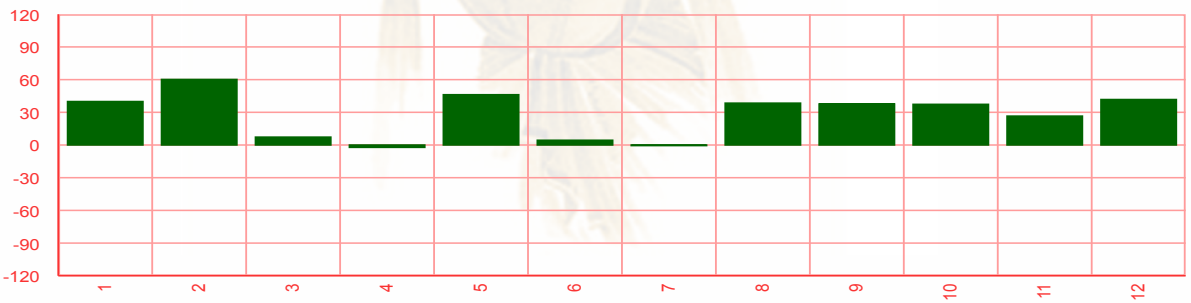

भाव बल

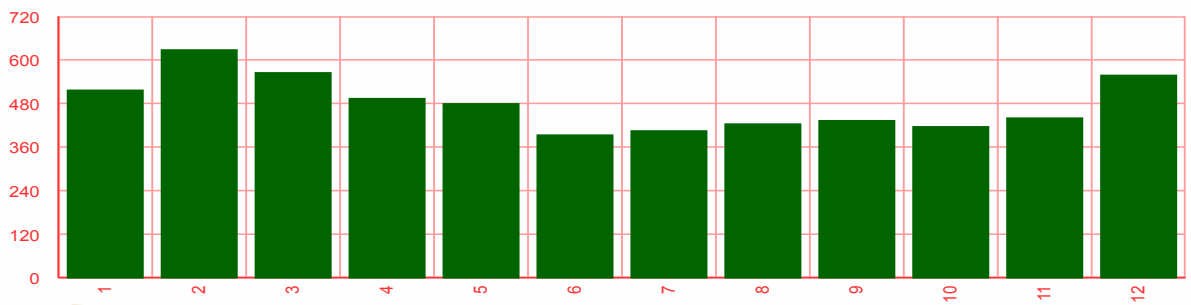

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 0 वर्ष 4 मास 24 दिन

शुक्र 20 वर्ष	
09/06/1983	
02/11/1983	
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	09/06/1983
केतु	02/11/1983

सूर्य 6 वर्ष	
02/11/1983	
01/11/1989	
सूर्य	19/02/1984
चंद्र	20/08/1984
मंगल	26/12/1984
राहु	19/11/1985
गुरु	08/09/1986
शनि	21/08/1987
बुध	26/06/1988
केतु	01/11/1988
शुक्र	01/11/1989

चंद्र 10 वर्ष	
01/11/1989	
02/11/1999	
चंद्र	01/09/1990
मंगल	03/04/1991
राहु	01/10/1992
गुरु	31/01/1994
शनि	02/09/1995
बुध	31/01/1997
केतु	01/09/1997
शुक्र	03/05/1999
सूर्य	02/11/1999

मंगल 7 वर्ष	
02/11/1999	
01/11/2006	
मंगल	30/03/2000
राहु	17/04/2001
गुरु	24/03/2002
शनि	03/05/2003
बुध	29/04/2004
केतु	25/09/2004
शुक्र	25/11/2005
सूर्य	02/04/2006
चंद्र	01/11/2006

राहु 18 वर्ष	
01/11/2006	
01/11/2024	
राहु	15/07/2009
गुरु	08/12/2011
शनि	14/10/2014
बुध	02/05/2017
केतु	21/05/2018
शुक्र	21/05/2021
सूर्य	14/04/2022
चंद्र	14/10/2023
मंगल	01/11/2024

गुरु 16 वर्ष	
01/11/2024	
01/11/2040	
गुरु	20/12/2026
शनि	02/07/2029
बुध	08/10/2031
केतु	13/09/2032
शुक्र	15/05/2035
सूर्य	02/03/2036
चंद्र	02/07/2037
मंगल	08/06/2038
राहु	01/11/2040

शनि 19 वर्ष	
01/11/2040	
02/11/2059	
शनि	05/11/2043
बुध	15/07/2046
केतु	24/08/2047
शुक्र	23/10/2050
सूर्य	05/10/2051
चंद्र	06/05/2053
मंगल	14/06/2054
राहु	20/04/2057
गुरु	02/11/2059

बुध 17 वर्ष	
02/11/2059	
01/11/2076	
बुध	30/03/2062
केतु	27/03/2063
शुक्र	25/01/2066
सूर्य	02/12/2066
चंद्र	02/05/2068
मंगल	29/04/2069
राहु	17/11/2071
गुरु	22/02/2074
शनि	01/11/2076

केतु 7 वर्ष	
01/11/2076	
02/11/2083	
केतु	30/03/2077
शुक्र	30/05/2078
सूर्य	05/10/2078
चंद्र	06/05/2079
मंगल	02/10/2079
राहु	20/10/2080
गुरु	26/09/2081
शनि	04/11/2082
बुध	02/11/2083

शुक्र 20 वर्ष	
02/11/2083	
10/06/2103	
शुक्र	03/03/2087
सूर्य	02/03/2088
चंद्र	01/11/2089
मंगल	01/01/2091
राहु	01/01/2094
गुरु	01/09/2096
शनि	02/11/2099
बुध	02/09/2102
केतु	10/06/2103

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 0 वर्ष 4 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - शुक्र	
21/05/2018	
21/05/2021	
शुक्र	20/11/2018
सूर्य	13/01/2019
चंद्र	15/04/2019
मंगल	18/06/2019
राहु	29/11/2019
गुरु	23/04/2020
शनि	14/10/2020
बुध	18/03/2021
केतु	21/05/2021

राहु - सूर्य	
21/05/2021	
14/04/2022	
सूर्य	06/06/2021
चंद्र	04/07/2021
मंगल	23/07/2021
राहु	10/09/2021
गुरु	24/10/2021
शनि	15/12/2021
बुध	31/01/2022
केतु	19/02/2022
शुक्र	14/04/2022

राहु - चंद्र	
14/04/2022	
14/10/2023	
चंद्र	30/05/2022
मंगल	01/07/2022
राहु	21/09/2022
गुरु	03/12/2022
शनि	28/02/2023
बुध	17/05/2023
केतु	18/06/2023
शुक्र	17/09/2023
सूर्य	14/10/2023

राहु - मंगल	
14/10/2023	
01/11/2024	
मंगल	06/11/2023
राहु	02/01/2024
गुरु	22/02/2024
शनि	23/04/2024
बुध	16/06/2024
केतु	09/07/2024
शुक्र	11/09/2024
सूर्य	30/09/2024
चंद्र	01/11/2024

गुरु - गुरु	
01/11/2024	
20/12/2026	
गुरु	13/02/2025
शनि	16/06/2025
बुध	05/10/2025
केतु	19/11/2025
शुक्र	29/03/2026
सूर्य	07/05/2026
चंद्र	11/07/2026
मंगल	25/08/2026
राहु	20/12/2026

गुरु - शनि	
20/12/2026	
02/07/2029	
शनि	16/05/2027
बुध	24/09/2027
केतु	17/11/2027
शुक्र	19/04/2028
सूर्य	04/06/2028
चंद्र	20/08/2028
मंगल	13/10/2028
राहु	01/03/2029
गुरु	02/07/2029

गुरु - बुध	
02/07/2029	
08/10/2031	
बुध	28/10/2029
केतु	15/12/2029
शुक्र	02/05/2030
सूर्य	12/06/2030
चंद्र	20/08/2030
मंगल	08/10/2030
राहु	09/02/2031
गुरु	30/05/2031
शनि	08/10/2031

गुरु - केतु	
08/10/2031	
13/09/2032	
केतु	28/10/2031
शुक्र	24/12/2031
सूर्य	10/01/2032
चंद्र	07/02/2032
मंगल	27/02/2032
राहु	18/04/2032
गुरु	03/06/2032
शनि	27/07/2032
बुध	13/09/2032

गुरु - शुक्र	
13/09/2032	
15/05/2035	
शुक्र	22/02/2033
सूर्य	12/04/2033
चंद्र	02/07/2033
मंगल	28/08/2033
राहु	21/01/2034
गुरु	31/05/2034
शनि	01/11/2034
बुध	19/03/2035
केतु	15/05/2035

गुरु - सूर्य	
15/05/2035	
02/03/2036	
सूर्य	30/05/2035
चंद्र	23/06/2035
मंगल	10/07/2035
राहु	23/08/2035
गुरु	01/10/2035
शनि	16/11/2035
बुध	28/12/2035
केतु	14/01/2036
शुक्र	02/03/2036

गुरु - चंद्र	
02/03/2036	
02/07/2037	
चंद्र	12/04/2036
मंगल	10/05/2036
राहु	22/07/2036
गुरु	25/09/2036
शनि	11/12/2036
बुध	18/02/2037
केतु	19/03/2037
शुक्र	08/06/2037
सूर्य	02/07/2037

गुरु - मंगल	
02/07/2037	
08/06/2038	
मंगल	22/07/2037
राहु	11/09/2037
गुरु	27/10/2037
शनि	20/12/2037
बुध	06/02/2038
केतु	26/02/2038
शुक्र	24/04/2038
सूर्य	11/05/2038
चंद्र	08/06/2038

गुरु - राहु	
08/06/2038	
01/11/2040	
राहु	18/10/2038
गुरु	12/02/2039
शनि	30/06/2039
बुध	02/11/2039
केतु	23/12/2039
शुक्र	17/05/2040
सूर्य	30/06/2040
चंद्र	11/09/2040
मंगल	01/11/2040

शनि - शनि	
01/11/2040	
05/11/2043	
शनि	24/04/2041
बुध	27/09/2041
केतु	30/11/2041
शुक्र	01/06/2042
सूर्य	26/07/2042
चंद्र	25/10/2042
मंगल	28/12/2042
राहु	11/06/2043
गुरु	05/11/2043

शनि - बुध	
05/11/2043	
15/07/2046	
बुध	23/03/2044
केतु	19/05/2044
शुक्र	30/10/2044
सूर्य	18/12/2044
चंद्र	10/03/2045
मंगल	07/05/2045
राहु	01/10/2045
गुरु	09/02/2046
शनि	15/07/2046

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - केतु	
15/07/2046	
24/08/2047	
केतु	07/08/2046
शुक्र	14/10/2046
सूर्य	03/11/2046
चंद्र	07/12/2046
मंगल	30/12/2046
राहु	01/03/2047
गुरु	24/04/2047
शनि	27/06/2047
बुध	24/08/2047

शनि - शुक्र	
24/08/2047	
23/10/2050	
शुक्र	03/03/2048
सूर्य	30/04/2048
चंद्र	05/08/2048
मंगल	11/10/2048
राहु	03/04/2049
गुरु	04/09/2049
शनि	06/03/2050
बुध	17/08/2050
केतु	23/10/2050

शनि - सूर्य	
23/10/2050	
05/10/2051	
सूर्य	10/11/2050
चंद्र	09/12/2050
मंगल	29/12/2050
राहु	19/02/2051
गुरु	06/04/2051
शनि	31/05/2051
बुध	19/07/2051
केतु	08/08/2051
शुक्र	05/10/2051

शनि - चंद्र	
05/10/2051	
06/05/2053	
चंद्र	22/11/2051
मंगल	26/12/2051
राहु	22/03/2052
गुरु	07/06/2052
शनि	07/09/2052
बुध	27/11/2052
केतु	31/12/2052
शुक्र	07/04/2053
सूर्य	06/05/2053

शनि - मंगल	
06/05/2053	
14/06/2054	
मंगल	29/05/2053
राहु	29/07/2053
गुरु	21/09/2053
शनि	24/11/2053
बुध	20/01/2054
केतु	13/02/2054
शुक्र	21/04/2054
सूर्य	12/05/2054
चंद्र	14/06/2054

शनि - राहु	
14/06/2054	
20/04/2057	
राहु	17/11/2054
गुरु	05/04/2055
शनि	17/09/2055
बुध	12/02/2056
केतु	12/04/2056
शुक्र	03/10/2056
सूर्य	24/11/2056
चंद्र	19/02/2057
मंगल	20/04/2057

शनि - गुरु	
20/04/2057	
02/11/2059	
गुरु	22/08/2057
शनि	15/01/2058
बुध	26/05/2058
केतु	19/07/2058
शुक्र	20/12/2058
सूर्य	05/02/2059
चंद्र	23/04/2059
मंगल	16/06/2059
राहु	02/11/2059

बुध - बुध	
02/11/2059	
30/03/2062	
बुध	05/03/2060
केतु	26/04/2060
शुक्र	19/09/2060
सूर्य	02/11/2060
चंद्र	14/01/2061
मंगल	07/03/2061
राहु	17/07/2061
गुरु	11/11/2061
शनि	30/03/2062

बुध - केतु	
30/03/2062	
27/03/2063	
केतु	20/04/2062
शुक्र	20/06/2062
सूर्य	08/07/2062
चंद्र	07/08/2062
मंगल	28/08/2062
राहु	22/10/2062
गुरु	09/12/2062
शनि	04/02/2063
बुध	27/03/2063

बुध - शुक्र	
27/03/2063	
25/01/2066	
शुक्र	16/09/2063
सूर्य	07/11/2063
चंद्र	01/02/2064
मंगल	01/04/2064
राहु	04/09/2064
गुरु	20/01/2065
शनि	02/07/2065
बुध	26/11/2065
केतु	25/01/2066

बुध - सूर्य	
25/01/2066	
02/12/2066	
सूर्य	10/02/2066
चंद्र	08/03/2066
मंगल	26/03/2066
राहु	11/05/2066
गुरु	22/06/2066
शनि	10/08/2066
बुध	23/09/2066
केतु	11/10/2066
शुक्र	02/12/2066

बुध - चंद्र	
02/12/2066	
02/05/2068	
चंद्र	14/01/2067
मंगल	13/02/2067
राहु	02/05/2067
गुरु	10/07/2067
शनि	30/09/2067
बुध	12/12/2067
केतु	11/01/2068
शुक्र	06/04/2068
सूर्य	02/05/2068

बुध - मंगल	
02/05/2068	
29/04/2069	
मंगल	23/05/2068
राहु	17/07/2068
गुरु	03/09/2068
शनि	30/10/2068
बुध	21/12/2068
केतु	11/01/2069
शुक्र	12/03/2069
सूर्य	30/03/2069
चंद्र	29/04/2069

बुध - राहु	
29/04/2069	
17/11/2071	
राहु	16/09/2069
गुरु	18/01/2070
शनि	15/06/2070
बुध	25/10/2070
केतु	18/12/2070
शुक्र	22/05/2071
सूर्य	08/07/2071
चंद्र	24/09/2071
मंगल	17/11/2071

बुध - गुरु	
17/11/2071	
22/02/2074	
गुरु	06/03/2072
शनि	15/07/2072
बुध	10/11/2072
केतु	28/12/2072
शुक्र	15/05/2073
सूर्य	25/06/2073
चंद्र	02/09/2073
मंगल	21/10/2073
राहु	22/02/2074